टीबी टीकों पर 7वें वैश्विक फोरम का सामुदायिक घोषणापत्र

माननीय महोदय,

हम 7वें वैश्विक फोरम की सामुदायिक सहभागिता समिति और अधोलिखित हस्ताक्षरकर्ताओं सहित वैश्विक टीबी समुदाय के प्रतिनिधियों की ओर से टीबी प्रभावित समुदायों के लिए नयी टीबी वैक्सीन के विकास और क्रियान्वयन से जुड़ी मांगों को आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं।

हर दिन 3500 से अधिक लोग टीबी के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इनमें से अधिकांश मौतें उन समुदायों में होती हैं, जो पहले ही गरीबी और अन्य असमानताओं के कारण शोषण के शिकार हैं। टीबी एक भयावह बीमारी है, जो जीवन को लीलने के साथ-साथ परिवार को भी उजाड़ देती है। यह चिंता का विषय है कि हम अभी भी एक सदी पुरानी बैसिलस कैलमेट-ग्यूरिन (बीसीजी) वैक्सीन पर निर्भर हैं, जो किशोरों और वयस्कों में, जहां 90% टीबी के मामले होते हैं, अधिकांशतः प्रभावी नहीं है। यह तथ्य कि हमारे पास अभी भी प्रभावी टीबी वैक्सीन नहीं है, इस बात का संकेत है कि टीबी प्रभावित समुदायों को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। अब समय आ गया है कि हम इस स्थिति में परिवर्तन की शुरुआत करें।

टीबी उन्मूलन का अर्थ है कि हर किसी को स्वस्थ जीवन जीने का समान अवसर मिले। इसे 2030 तक हासिल करने के लिए हमें ऐसे कई नए टीकों की आवश्यकता है, जो सभी के लिए प्रभावी हो, हर जगह उपलब्ध हो, स्वीकार्य हो, और खासकर उन देशों में सस्ते हों, जो टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। हमें टीबी वैक्सीन अनुसंधान को तुरंत तेज़ी से आगे बढ़ाना होगा, विशेष रूप से अंतिम चरण के महत्वपूर्ण परीक्षणों को, और साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि ये टीके तत्काल और समान रूप से वितरित किए जा सकें।

नए टीबी टीके लाखों लोगों की जान बचा सकते हैं और अरबों लोगों की सेहत और खुशहाली को सुरक्षित रख सकते हैं। टीबी टीके दवा-प्रतिरोधी टीबी को नियंत्रित करने में भी मददगार बनेंगे और मजबूत स्वास्थ्य और अनुसंधान प्रणालियों का निर्माण करेंगे। टीबी टीकों में अभी निवेश करने से आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार होगा। साथ ही यह दुनिया को भविष्य की वायुजनित महामारियों का सामना करने के लिए बेहतर तरीके से तैयार करेगा।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि टीबी वैक्सीन अनुसंधान को आज तक एक वर्ष में **$145** मिलियन से अधिक की फंडिंग नहीं मुहैया करायी गयी है। हमारे सभी जनप्रतिनिधियों को 2023 के संयुक्त राष्ट्र (यूएन) टीबी पर उच्च-स्तरीय बैठक में किए गए वादों को तेजी से पूरा करने की जरूरत है, जिसमें 2028 तक कम से कम एक नई टीबी वैक्सीन विकसित और वितरित करने का संकल्प लिया गया था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यूएन सदस्य देशों ने 2027 तक टीबी अनुसंधान में $5 बिलियन वार्षिक निवेश करने का संकल्प लिया है, जिसमें से $1.25 बिलियन राशि टीबी वैक्सीन के लिए आरक्षित होगी। इसलिए वार्षिक फंडिंग में लगभग 10 गुना वृद्धि की आवश्यकता है।

हमें लगातार फंड की कमी को दूर करने और विकास एवं सुगमता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

- हमारी मांग है कि टीबी वैक्सीन अनुसंधान और उसके कार्यान्वयन के लिए संयुक्त, अधिक और निरंतर फंडिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही इनके त्वरित अनुमोदन और वितरण के लिए समन्वित प्रणाली भी बनायी जानी चाहिए। इसमें सभी देशों को, विशेष रूप से व्यापक स्तर पर टीबी से ग्रसित देशों को अपनी हिस्सेदारी का योगदान करना चाहिए।
- हमारी मांग है कि सार्वजनिक फंड से विकसित वैक्सीन सभी देशों के लिए सार्वभौमिक और समान रूप से उपलब्ध और किफायती हों। इसका अर्थ है कि सार्वजनिक फंडिंग के साथ सही शर्तें तय की जाएं, आवश्यक तकनीकें साझा की जाएं, और बौद्धिक संपदा से जुड़ी अनावश्यक रुकावटों को बाधा न बनने दिया जाए।
- हमारी मांग है कि टीबी अनुसंधान से जुड़ी सभी प्रतिबद्धताओं और निवेशों की जिम्मेदारी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र निगरानी और मूल्यांकन तंत्र की स्थापना की जाए।

- हमारी मांग है कि टीबी से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शोध, उत्पादन और वितरण की मजबूत व्यवस्था स्थापित की जाए। इससे यह क्षेत्र टीबी वैक्सीन के शोध और इस्तेमाल में अग्रणी भूमिका निभा पाएंगे।
- हमारी मांग है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ) टीबी वैक्सीन एक्सेलेरेटर काउंसिल अपनी प्रभावशीलता का पूरा उपयोग करे और टीबी वैक्सीन अनुसंधान और कार्यान्वयन के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने के अभियान का नेतृत्व करे।

हमें प्रभावित समुदायों की बात सुननी चाहिए, उनकी चिंताओं और ज़रूरतों का समाधान करना चाहिए, सार्वजनिक विश्वास और भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिए, और नए टीबी टीकों तक सुगम पहुंच की निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करनी चाहिए।

- हमारी मांग है कि टीबी वैक्सीन के विकास और रोलआउट के हर चरण में समुदायों को सार्थक रूप से शामिल किया जाए। उन्हें केवल परीक्षण प्रतिभागियों के रूप में नहीं, बल्कि निर्णय निर्माताओं के रूप में भी हिस्सेदारी दी जाए। उनकी भागीदारी हेतु निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सर्वोच्च नैतिक मानकों का पालन करना चाहिए और इसमें परीक्षण डिजाइन, पोस्ट-ट्रायल सुगमता और मूल्य निर्धारण जैसी गतिविधियों को सम्मिलित किया जाना चाहिए।
- हमारी मांग है कि अनुसंधान में सभी जनसंख्या समूहों, आयु वर्गों और क्षेत्रों को शामिल किया जाए। इसमें गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं, बच्चे, एचआईवी पीड़ित, बंदी, अत्यधिक गरीब, बेघर, विकलांग, स्वास्थ्यकर्मी, और वे सभी लोग जो पहले टीबी से ग्रसित थे, शामिल हैं। टीबी के अत्यधिक दबाव से ग्रसित सभी क्षेत्रों का नैदानिक परीक्षणों में प्रतिनिधित्व होना चाहिए, जिसमें लैटिन अमेरिका भी शामिल है, जिसे वर्तमान में चल रहे अध्ययनों में शामिल नहीं किया गया है।
- हमारी मांग है कि नैतिक मानकों की समीक्षा की जाए और उन लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक-व्यवहारिक अनुसंधान को प्राथमिकता दी जाए, जो परीक्षणों और रोलआउट में सबसे अधिक जोखिम में हैं। वैज्ञानिक प्रगति और उसके अनुप्रयोगों से होने वाले लाभ पर सभी का समान अधिकार है और कोई भी प्रतिभागी इससे वंचित नहीं रहना चाहिए।
- हमारी मांग है कि नए टीबी टीकों को टीबी से निपटने के लिए देखभाल के व्यापक पैकेज का हिस्सा बनाया जाए, जो टीबी के सभी पहलुओं को संबोधित करता हो। इसमें मानसिक स्वास्थ्य, वित्तीय सहायता, पोषण समर्थन, एचआईवी और मधुमेह जैसी संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान, दूरस्थ और हाशिए पर रहने वाले समुदायों तक पहुंच और सार्वजनिक और निजी दोनों प्रदाताओं के माध्यम से उपलब्धता शामिल होनी चाहिए।
- हमारी मांग है कि स्थानीय भाषाओं में स्पष्ट, सरल संचार किया जाए, जिसे सामुदायिक नेटवर्क के माध्यम से साझा किया जाए। यह लोगों के लिए नैदानिक परीक्षणों और नए टीबी टीकों के लाभों को समझने में मददगार साबित होगा। इससे वैक्सीन लगवाने में हिचकिचाहट, अविश्वास और गलत जानकारी से लड़ने में मदद मिलेगी। साथ ही, इससे हमारे समुदायों में टीकों की मांग भी बढ़ेगी।

समय आ गया है कि समूचे विश्व में अब दवा कंपनियों के मुनाफे से अधिक लोगों की जिंदगी और सेहत को प्राथमिकता दी जाए। नए टीबी टीकों में निवेश से अरबों लोगों को लाभ होगा। हम टीबी से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हैं और मांग करते हैं कि हमारे नेता और निर्णयकर्ता तत्काल राजनीतिक इच्छाशक्ति और निवेश जुटाएं, ताकि नए टीबी टीकों को इसी दशक के भीतर साकार किया जा सके। इस प्रक्रिया में समय सबसे मूल्यवान है: लाखों लोगों की जान आपकी कार्यवाही पर निर्भर है।

सादर,

अधोहस्ताक्षरकर्ता